CEDSI
CENTRE OF EXCELLENCE FOR DAIRY SKILLS IN INDIA

+91 7428706078
info@cedsi.in

CEDSI TIMES

Your Skilling Partner...

ग्रामीण स्तर पर पशु स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं की नियुक्ति के लिए राज्यव्यापी ए-हेल्प कार्यक्रम शुरू किया गया

एक महत्वपूर्ण कदम में, पशुपालन मंत्री जे. चिंचुरानी ने ए-हेल्प कार्यक्रम का उद्घाटन किया, जो एक टास्क फोर्स है, जिसका उद्देश्य राज्य भर में पशुपालन क्षेत्र में पशु स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं की नियुक्ति करना है। केंद्र सरकार द्वारा आर्थिक रूप से समर्थित इस पहल को कुदुम्बश्री कार्यकर्ताओं की भागीदारी के साथ सतत विकास सुनिश्चित करते हुए सभी पंचायतों तक बढ़ाया जाएगा।

ए-हेल्प कार्यकर्ताओं के लिए प्रशिक्षण किट वितरित किए गए, जिसमें पशुधन स्वास्थ्य, रोग नियंत्रण, पोषण और बहुत कुछ जैसे क्षेत्र शामिल थे।

पशुपालन विभाग और कुदुम्बश्री के बीच सहयोग का उद्देश्य प्रत्येक पंचायत में ए-हेल्प कार्यकर्ताओं का एक नेटवर्क स्थापित करना है, जो किसानों के लिए मोबाइल पशु चिकित्सा तंत्र और 24 घंटे कॉल सेंटर जैसी सेवाओं की सुविधा प्रदान करता है।

दूध उत्पादन में एसएनएफ को बढ़ावा देने के लिए अमूल ने नवीन पशु आहार का अनावरण किया

अमूल डेयरी एक विशेष पशु आहार लॉन्च करके देश के डेयरी उद्योग में कम ठोस-गैर-वसा (एसएनएफ) सामग्री की चुनौती का समाधान करती है। इस पहल का उद्देश्य गाय और भैंस के दूध में एसएनएफ को बढ़ाना है

दुग्ध संघ के एक अध्ययन से पता चला है कि आहार में अपर्याप्त प्रोटीन और ऊर्जा डेयरी पशुओं में कम एसएनएफ सामग्री के लिए योगदान दे रहे थे। अमूल डेयरी के एमडी, अमित व्यास ने किसानों को विस्तृत वसा और एसएनएफ जानकारी प्रदान करने के लिए 3,000 मशीनें स्थापित करने की परियोजना पर प्रकाश डाला।

हाल ही में लॉन्च किया गया फ़ीड, अमूल एसएनएफ वृद्धि, दूध की पैदावार, वसा और एसएनएफ सामग्री में सुधार के लिए एक महत्वपूर्ण पूरक के रूप में तैनात है, खासकर गर्मी का मौसम आते ही।

दूध की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए इंदौर ने सभी डेयरियों में फैट जांचने वाली मशीनें अनिवार्य कर दी हैं

सीआरपीसी की आगामी धारा 144 आदेश द्वारा समर्थित यह कदम उपभोक्ताओं को सीधे उनके द्वारा खरीदे जाने वाले दूध में वसा की मात्रा का आकलन करने का अधिकार देता है। मिलावट रोकने के मौजूदा उपायों के बावजूद शिकायतें बरकरार हैं।

भारत के सबसे स्वच्छ शहर के रूप में जाना जाने वाला इंदौर, निवासियों को शुद्ध और गुणवत्ता वाले दूध की पहुंच की गारंटी देने के लिए एक नया कदम उठा रहा है। जिला प्रशासन ने इंदौर की सभी 1,500 दूध डेयरियों में फैट जांच मशीनें लगाने का निर्णय लिया है।

कोई समय सीमा निर्धारित नहीं की गई है, लेकिन इस पहल का उद्देश्य पारदर्शिता बढ़ाना और उपभोक्ताओं को सूचित विकल्प चुनने के लिए सशक्त बनाना है। संबंधित प्रयास में, खाद्य सुरक्षा आश्वासन के लिए सराफा नाइट फूड मार्केट की दुकानों का एक व्यापक डेटाबेस संकलित किया जाएगा।

केरल फीड्स और इंडियन इम्यूनोलॉजिकल्स लिमिटेड (आईआईएल) का सहयोग डेयरी क्षेत्र में क्रांति लाने के लिए तैयार है

डेयरी क्षेत्र को प्रोत्साहित करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम में, राज्य के स्वामित्व वाली इकाई, केरल फीड्स लिमिटेड (KFL) ने राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (NDDB) के सहयोग से इंडियन इम्यूनोलॉजिकल्स लिमिटेड (IIL) के उत्पादों का परीक्षण शुरू किया है। 11 जिलों में लगभग 500 दुधारू गायों को शामिल करते हुए परीक्षण, आईआईएल के उत्पादकता-बूस्टर और कैल्शियम पूरक पर ध्यान केंद्रित करते हैं।

केएफएल का लक्ष्य परीक्षण अवधि के बाद आईआईएल की पेशकशों को व्यापक रूप से सुलभ बनाना है, जिससे किसानों को दूध उत्पादन बढ़ाने में सहायता मिल सके। सामर्थ्य के प्रति आईआईएल की प्रतिबद्धता किसानों को पर्याप्त सहायता प्रदान करने के केएफएल के मिशन के साथ संरेखित है। गुणवत्तापूर्ण मिश्रित पशु आहार में निहित इतिहास के साथ, केएफएल का विभिन्न आहारों और पूरकों में विस्तार किफायती और उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादों के प्रति इसके समर्पण को रेखांकित करता है।

यह सहयोग केरल के बाजार में उभरती प्रतिस्पर्धा के बीच बढ़ी हुई उत्पादकता के लिए डेयरी उद्योग के आह्वान को संबोधित करने के लिए तैयार है, जिसमें आईआईएल के प्रसिद्ध उत्पाद दूध उत्पादन बढ़ाने और प्रतिरक्षा बढ़ाने के लिए जाने जाते हैं।

चूंकि शीर्ष सहकारी मिल्मा द्वारा औसत दूध खरीद में थोड़ी गिरावट देखी गई है, यह साझेदारी केरल के डेयरी किसानों के लिए एक आशाजनक संभावना प्रदान करती है, जो कच्चे माल की बढ़ती लागत के बीच आवश्यक पोषक तत्व प्रदान करती है।

सरकार ने संशोधित पशुपालन अवसंरचना विकास निधि के साथ पशुधन क्षेत्र को बढ़ावा दिया

मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री परषोत्तम रूपाला ने उद्योग और सहकारी समितियों के लिए इसके महत्व पर जोर देते हुए नई दिल्ली में संशोधित पशुपालन अवसंरचना विकास निधि (एएचआईडीएफ) योजना शुरू की। चुनौतीपूर्ण कोविड अवधि के दौरान शुरू हुई, इस योजना को अब 15,000 करोड़ रुपये से 29,610 करोड़ रुपये की महत्वपूर्ण वृद्धि के साथ हाल ही में कैबिनेट की मंजूरी के बाद फिर से तैयार किया गया है और तीन और वर्षों के लिए बढ़ा दिया गया है।

पुनर्गठित योजना में डेयरी इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट फंड की सदस्यता शामिल है, जिसमें डेयरी सहकारी समितियों को क्रेडिट गारंटी समर्थन के साथ एएचआईडीएफ के तहत 3% ब्याज छूट की पेशकश की गई है।

उद्घाटन समारोह में उद्योग संघों, एनडीडीबी, डेयरी सहकारी समितियों, किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) और पूर्वोत्तर राज्यों के अधिकारियों की भागीदारी देखी गई। एबीआईएस एक्सपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड ने पशुधन क्षेत्र के बुनियादी ढांचे में 2,000 करोड़ रुपये के पर्याप्त निवेश का वादा करते हुए इस योजना का समर्थन किया। दिशाला लाइवलीहुड प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड, एक एफपीओ, ने मंथन संगठन के सहयोग से एएचआईडीएफ के तहत सीहोर, मध्य प्रदेश में अपनी सफल डेयरी प्रसंस्करण और मूल्य-संवर्धन परियोजना पर प्रकाश डाला।

अंबा फीड ने एएचआईडीएफ के तहत कोयंबटूर में प्रति वर्ष टन क्षमता वाले पशु चारा संयंत्र के साथ अपने उद्यम की भी घोषणा की। अधिकारी के अनुसार, प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा आत्मनिर्भर भारत अभियान पहल के तहत 24 जून, 2020 को लॉन्च किया गया, AHIDF को 5,000 से अधिक परियोजना प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं, जिससे लगभग 15 लाख रोजगार के अवसर पैदा हुए हैं और उद्योगों के साथ-साथ छोटे और सीमांत किसानों को पर्याप्त लाभ मिला है।

पशुपालन सचिव अलका उपाध्याय ने दिल्ली में क्षेत्रीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की

पशुपालन और डेयरी सचिव, श्रीमती। अलका उपाध्याय ने नई दिल्ली में एक महत्वपूर्ण क्षेत्रीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। सत्र में पश्चिमी राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों, अर्थात् गुजरात, महाराष्ट्र, गोवा, मध्य प्रदेश, दादरा और नगर हवेली और दमन और दीव के प्रमुख अधिकारियों के साथ चर्चा शामिल थी। बैठक में केंद्र सरकार द्वारा कार्यान्वित विभिन्न पशुपालन और डेयरी क्षेत्र के कार्यक्रमों और योजनाओं की प्रगति की समीक्षा पर ध्यान केंद्रित किया गया।

इन पहलों में राष्ट्रीय गोकुल मिशन, राष्ट्रीय पशुधन मिशन, राष्ट्रीय पशु रोग नियंत्रण कार्यक्रम, डेयरी प्रसंस्करण और बुनियादी ढांचा विकास निधि, राष्ट्रीय डेयरी विकास कार्यक्रम और पशुपालन बुनियादी ढांचा विकास निधि शामिल हैं। सचिव उपाध्याय ने धन के कुशल उपयोग, नस्ल सुधार, टीकाकरण और चारा और चारे के उत्पादन में वृद्धि की आवश्यकता पर जोर दिया।

उन्होंने राज्यों को डेयरी उत्पाद निर्यात को प्राथमिकता देने, रोग-मुक्त क्षेत्र स्थापित करने और पशुधन बीमा में प्रयासों को तेज करने के लिए प्रोत्साहित किया। सचिव ने राज्यों से राष्ट्रीय पशुधन मिशन और पशुपालन अवसंरचना विकास निधि के लाभों का लाभ उठाते हुए इस क्षेत्र में उद्यमशीलता को बढ़ावा देने का आग्रह किया।

डेयरी उद्योग को बढ़ाने के लिए एक रणनीतिक दृष्टिकोण के रूप में दूध उत्पादक कंपनियों और डेयरी सहकारी समितियों की स्थापना पर प्रकाश डाला गया।

मोगा के किसान के 'हंटर' ने 24 घंटे में रिकॉर्ड तोड़ 74 किलो दूध पैदा कर रचा इतिहास

मोगा स्थित डेयरी किसान, हरप्रीत सिंह हुंदल ने एक उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की, जब उनकी 'हंटर' नाम की होल्स्टीन फ़्रीज़ियन गाय ने केवल 24 घंटों में 74.430 किलोग्राम दूध का आश्चर्यजनक उत्पादन करके एक राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया। यह उपलब्धि लुधियाना के जगराओं में प्रोग्रेसिव डेयरी फार्मर्स एसोसिएशन (पीडीएफए) द्वारा आयोजित वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय डेयरी और कृषि एक्सपो में हुई।

चिमना गांव के अमरजीत सिंह की गाय ने 71.625 किलोग्राम के साथ दूसरा स्थान हासिल किया, जबकि एसबीएस नगर के गुरप्रीत सिंह की गाय ने 70.755 किलोग्राम के साथ तीसरा स्थान हासिल किया। नूरपुर हकीमा गांव के रहने वाले हरप्रीत ने बताया कि 'हंटर' ने न केवल रिकॉर्ड बनाया, बल्कि सबसे अधिक दूध उत्पादन के लिए एक ट्रैक्टर भी जीता।

उनके अन्य होल्स्टीन फ़्रीज़ियन, 'क्वीन' ने 53.535 किलोग्राम की उपज के साथ 'फोर टीथ श्रेणी' में शीर्ष स्थान हासिल किया। लगभग 160 गायों के साथ हरप्रीत ने डेयरी फार्मिंग के प्रति अपने परिवार के समर्पण और पिछले दशक में प्रतियोगिताओं में उनकी लगातार सफलता पर जोर दिया।

हम कौन हैं?

सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस फॉर डेरी स्किल्स इन इंडिया (सीईडीएसआई) "सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस फॉर एग्रीकल्चर स्किल्स इन इंडिया (सीईएएसआई)" के तहत काम कर रहा है, यह एक स्वायत्त संगठन है जो "**एग्रीकल्चर स्किल कौंसिल ऑफ़ इंडिया (ASCI)**" के तत्वावधान में काम कर रहा है। कृषि और संबद्ध क्षेत्रों के संगठित और असंगठित क्षेत्रों में लगे किसानों, वेतनभोगी श्रमिकों, स्व-रोज़गार पेशेवरों, विस्तार श्रमिकों आदि के कौशल और क्षमता निर्माण के लिए **कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय (एमएसडीई**) के तहत काम करना।

सीईएएसआई कृषि के विभिन्न उप-क्षेत्रों में उत्कृष्टता केंद्रों का एक शीर्ष संगठन है।

- सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस फॉर डेरी स्किल्स इन इंडिया (सीईडीएसआई)
- सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस फॉर हॉर्टिकल्चर स्किल्स इन इंडिया (सीईएचएसआई)
- सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस फॉर फार्म मेकेनिज़शन स्किल्स इन इंडिया (सीईएफएमआई)

सीईडीएसआई सदस्यता उद्योग के नेताओं, नीति निर्माताओं, विकास चिकित्सकों, डेयरी वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं, छात्रों और किसानों को डेयरी उद्योग के लिए आसन्न महत्व के मुद्दों पर बहस और चर्चा करने के लिए एक अनूठा मंच प्रदान करेगी।

+91 7428706078

info@cedsi.in

www.cedsi.in Follow us on Facebook Cedsi Dairyskills Follow us on Twitter @CEDSI_India Follow us on Instagram @cedsi_india Follow us on linkedin Cedsi dairy COE

Centre of Excellence for Dairy Skills in India

Join Our Membership Drive and Get Benefits of

- Platform to interact with other members in the sector
- Networking opportunities with corporate leaders and government authorities
- Special costs of training in Skill India Certified Programmes
- Access to our Journal and Publications
- Expert advice in day-to-day operations and management of livestock /farm productions
- Free registration on the job portal and regular updates on job vacancies in the sector
- Recognize your organization with CEDSI Yearly Awards and Recognition
- Chance to reach across the board through advertising in our press releases, news and articles
- Consultative and advisory services to help members
- Consulting and advisory services to help members
- Periodic e-newsletter for the latest news, govt. announcement and schemes in dairy sectors
- Updates on training programs of CEDSI and access to the training calendar

Who Can Become a Member -

Corporates/ Cooperatives | NGO's/CSR Foundations | Dairy Farmers | Students | Professional

www.cedsi.in @cedsi_india

CEDSI : रविविंग स्किल्स एंड जनरेटिंग लाइवलीहुड

किसानों/छात्रों/उद्यमियों के लिए कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम

- डेयरी किसान / उद्यमी
- डेयरी फार्म पर्यवेक्षक
- डेयरी कार्यकर्ता
- पशु स्वास्थ्य कार्यकर्ता
- कृत्रिम गर्भाधान तकनीशियन
- पशु चिकित्सा क्षेत्र सहायक
- पशु चिकित्सा नैदानिक सहायक
- बछड़ा पालन
- कृषि उपकरण तकनीशियन
- डेयरी फार्म अर्थशास्त्र और प्रबंधन
- उद्योग संरेखित प्रमाणन कार्यक्रम (बेरोजगार युवा और छात्र)

एफपीओ उन्मुख प्रशिक्षण कार्यक्रम

- उत्पाद प्रौद्योगिकी और प्रक्रियाओं पर एफपीओ सदस्य अभिविन्यास।
- एफपीओ मार्केट लिंकेज
- एफपीओ शासन
- एफपीओ लेखा

डेयरी कॉरपोरेट्स और सहकारी समितियों के लिए प्रमुख कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम

- चिलिंग प्लांट तकनीशियन
- बल्क मिल्क कूलर ऑपरेटर
- ग्राम स्तरीय दुग्ध संग्रह केन्द्र पर्यवेक्षक
- दूध परीक्षक
- ग्रीन हाउस गैसों का शमन
- दूध की गुणवत्ता आश्वासन
- मिल्क डिलीवरी बॉय
- दूध खरीद और इनपुट पर्यवेक्षक
- डेयरी उद्योग में अपशिष्ट प्रबंधन
- चारा और चारा प्रबंधन
- स्वच्छ दूध उत्पादन
- निर्णय समर्थन प्रणाली / डेटा विश्लेषिकी